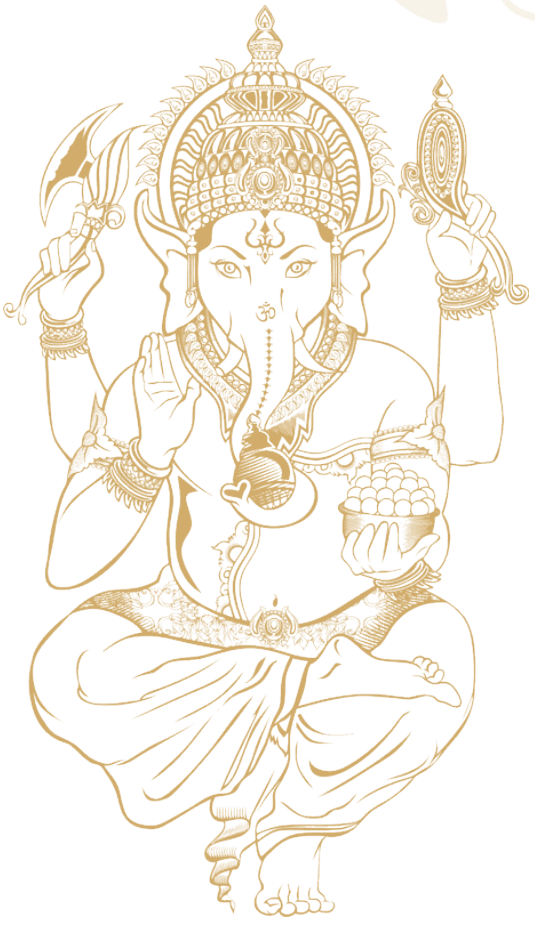

Mr Deepak

Sanya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120723502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/08/1999	जन्म तिथि	31/10/2002
सोमवार	दिन	गुरुवार
घंटे 21:39:00	जन्म समय	22:10:00 घंटे
घटी 39:16:53	जन्म समय(घटी)	39:20:52 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Gwalior
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	26:12:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:56:14	सूर्योदय	06:25:39
18:39:38	सूर्यास्त	17:36:17
23:50:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:30

विंशोत्तरी
बुध 0वर्ष 0मा 15दि

शुक्र	
15/09/2006	
15/09/2026	
शुक्र	14/01/2010
सूर्य	15/01/2011
चन्द्र	14/09/2012
मंगल	15/11/2013
राहु	14/11/2016
गुरु	16/07/2019
शनि	15/09/2022
बुध	16/07/2025
केतु	15/09/2026

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	14:32:21	मेष
सूर्य	12:59:50	सिंह
चंद्र	29:57:58	मीन
मंगल	04:12:18	वृश्चि
बुध	04:16:04	सिंह
गुरु	11:05:11	मेष व
शुक्र	27:29:04	कर्क व
शनि	23:19:54	मेष व
राहु	18:55:27	कर्क व
केतु	18:55:27	मक व
हर्ष	20:05:09	मक व
नेप	08:14:33	मक व
प्लूटो	13:55:33	वृश्चि

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	24:09:29	मिथु
सूर्य	14:11:21	तुला
चंद्र	16:02:15	सिंह
मंगल	16:17:54	कन्या
बुध	05:41:18	तुला
गुरु	22:25:22	कर्क
शुक्र	13:52:58	तुला
शनि	04:49:20	मिथु
राहु	15:11:18	वृष
केतु	15:11:18	वृश्चि
हर्ष	01:01:19	कुंभ
नेप	14:20:18	मक
प्लूटो	22:08:40	वृश्चि

विंशोत्तरी
शुक्र 15वर्ष 11मा 9दि

चन्द्र	
10/10/2024	
11/10/2034	
चन्द्र	11/08/2025
मंगल	12/03/2026
राहु	11/09/2027
गुरु	10/01/2029
शनि	11/08/2030
बुध	10/01/2032
केतु	10/08/2032
शुक्र	11/04/2034
सूर्य	11/10/2034

लग्न-चलित

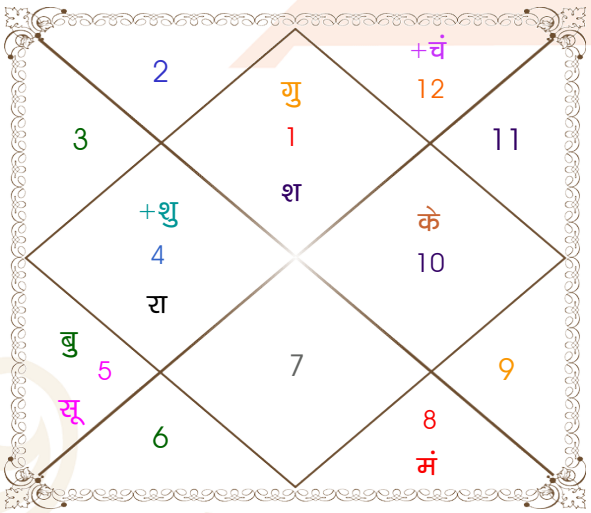

लग्न-चलित

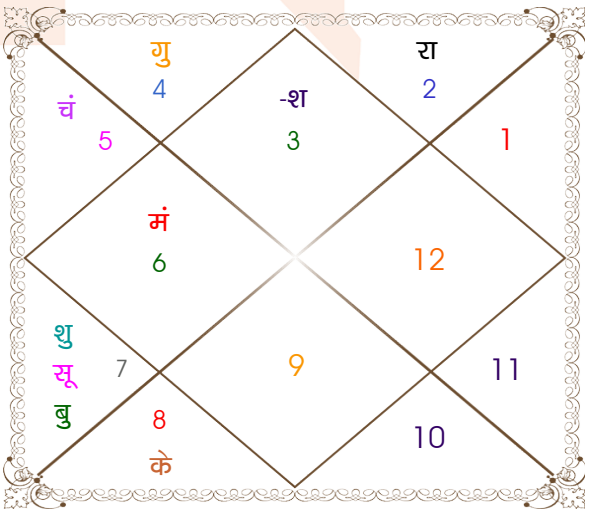

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr Deepak का वर्ग सिंह है तथा ँदलं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr Deepak और ँदलं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr Deepak मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr Deepak कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ँदलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr Deepak कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr Deepak तथा दलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।